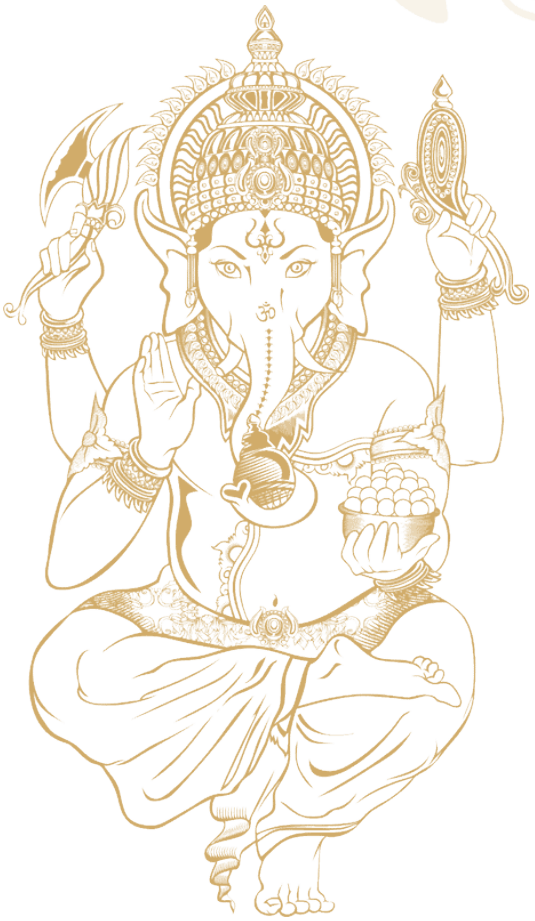

????

18 Nov 2002

03:00 PM

Nagaur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121890803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/11/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:00:00 घंटे**
इष्ट	20:06:11 घटी
स्थान	**Nagaur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:12:00 उत्तर
रेखांश	73:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:35:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:24:56 घंटे
वेलान्तर	00:14:55 घंटे
साम्पातिक काल	18:13:58 घंटे
सूर्योदय	06:57:31 घंटे
सूर्यास्त	17:42:49 घंटे
दिनमान	10:45:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:58:14 वृश्चिक
लग्न के अंश	10:59:45 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:59:45	505:08:55	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चि	01:58:14	01:00:30	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	13:36:05	11:55:40	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	27:37:52	00:38:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	04:24:08	01:34:37	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु			कर्क	23:47:26	00:03:06	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	उच्च राशि
शुक्र	व		तुला	06:20:05	00:07:11	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	03:55:50	00:03:47	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	14:47:00	00:01:37	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	14:47:00	00:01:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:06:05	00:00:43	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:32:12	00:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:44:57	00:02:10	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	09:18:29	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:33

लग्न-चलित

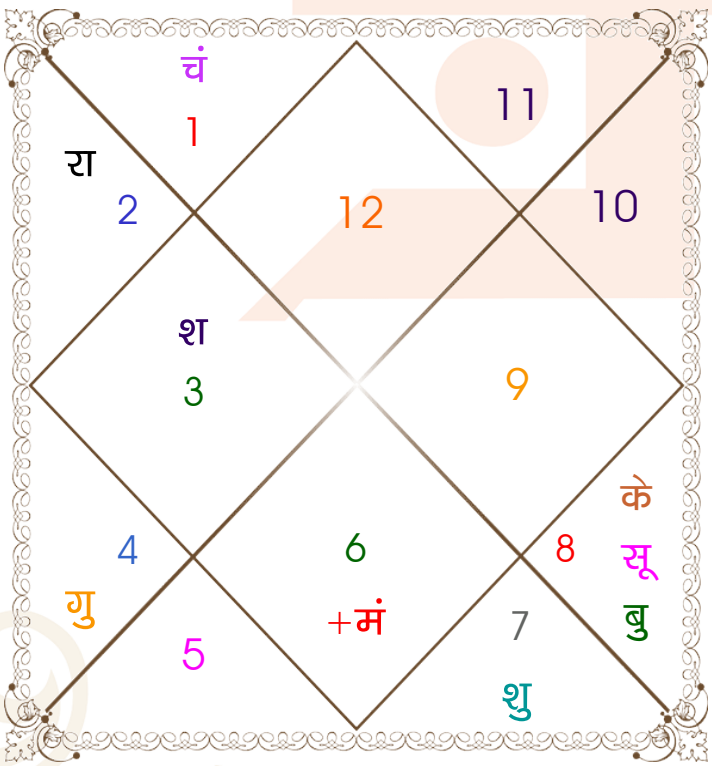

चन्द्र कुंडली

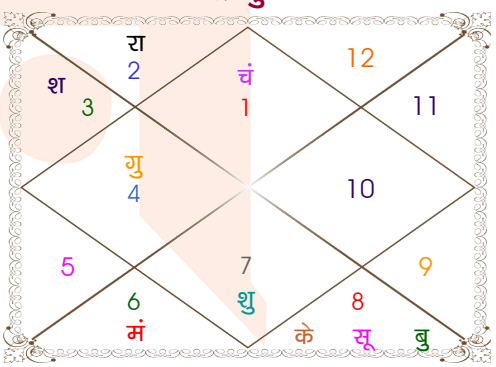

नवमांश कुंडली

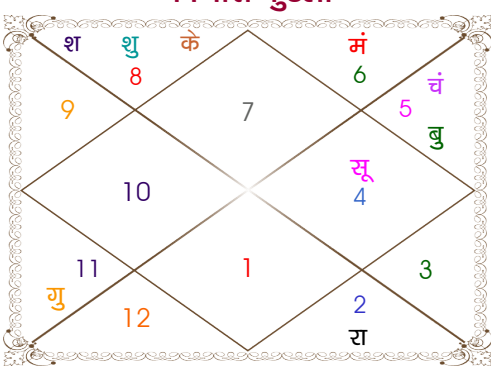

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 7 मास 5 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/11/2002		24/06/2022		24/06/2028		24/06/2038		24/06/2045	
24/06/2022		24/06/2028		24/06/2038		24/06/2045		25/06/2063	
शुक्र	24/10/2005	सूर्य	12/10/2022	चंद्र	24/04/2029	मंगल	20/11/2038	राहु	06/03/2048
सूर्य	24/10/2006	चंद्र	12/04/2023	मंगल	23/11/2029	राहु	09/12/2039	गुरु	31/07/2050
चंद्र	24/06/2008	मंगल	18/08/2023	राहु	25/05/2031	गुरु	14/11/2040	शनि	06/06/2053
मंगल	24/08/2009	राहु	12/07/2024	गुरु	23/09/2032	शनि	24/12/2041	बुध	24/12/2055
राहु	24/08/2012	गुरु	30/04/2025	शनि	24/04/2034	बुध	21/12/2042	केतु	11/01/2057
गुरु	25/04/2015	शनि	12/04/2026	बुध	24/09/2035	केतु	19/05/2043	शुक्र	11/01/2060
शनि	24/06/2018	बुध	17/02/2027	केतु	24/04/2036	शुक्र	18/07/2044	सूर्य	05/12/2060
बुध	24/04/2021	केतु	25/06/2027	शुक्र	24/12/2037	सूर्य	23/11/2044	चंद्र	06/06/2062
केतु	24/06/2022	शुक्र	24/06/2028	सूर्य	24/06/2038	चंद्र	24/06/2045	मंगल	25/06/2063

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/06/2063		25/06/2079		24/06/2098		26/06/2115		25/06/2122	
25/06/2079		24/06/2098		26/06/2115		25/06/2122		00/00/0000	
गुरु	12/08/2065	शनि	27/06/2082	बुध	21/11/2100	केतु	22/11/2115	शुक्र	19/11/2122
शनि	23/02/2068	बुध	06/03/2085	केतु	18/11/2101	शुक्र	21/01/2117		00/00/0000
बुध	31/05/2070	केतु	15/04/2086	शुक्र	18/09/2104	सूर्य	29/05/2117		00/00/0000
केतु	07/05/2071	शुक्र	15/06/2089	सूर्य	25/07/2105	चंद्र	28/12/2117		00/00/0000
शुक्र	05/01/2074	सूर्य	28/05/2090	चंद्र	25/12/2106	मंगल	26/05/2118		00/00/0000
सूर्य	24/10/2074	चंद्र	27/12/2091	मंगल	22/12/2107	राहु	13/06/2119		00/00/0000
चंद्र	23/02/2076	मंगल	04/02/2093	राहु	10/07/2110	गुरु	19/05/2120		00/00/0000
मंगल	29/01/2077	राहु	12/12/2095	गुरु	15/10/2112	शनि	28/06/2121		00/00/0000
राहु	25/06/2079	गुरु	24/06/2098	शनि	26/06/2115	बुध	25/06/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 7 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगी। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगी। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकती हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगी। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकती हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगी न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगी। आप अच्छी प्रकार जानती हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगी। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव की प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाती हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाती है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंचा किला बनाती है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखती हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहती है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझती हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमी के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहती हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करती हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखती हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगी कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकती है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करती रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगी। आप अपने अच्छे पति, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकती है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकती हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।